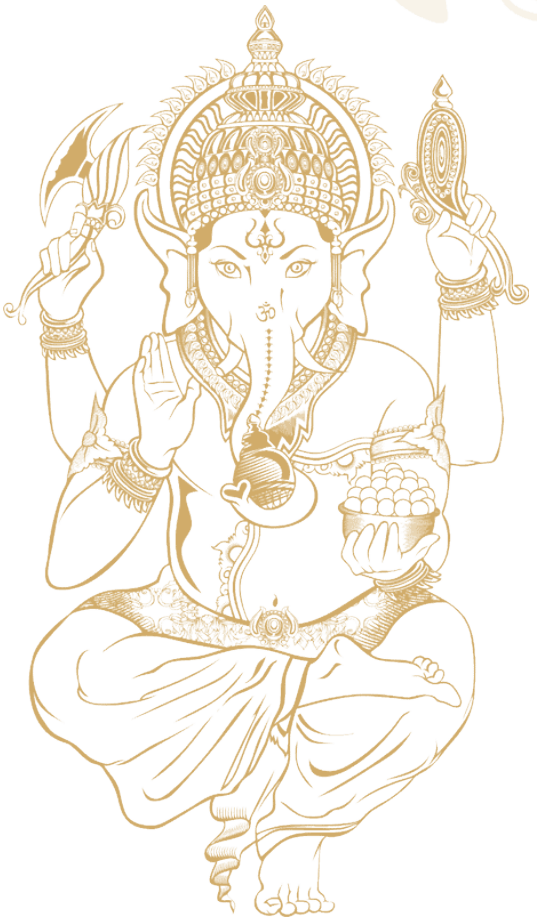

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121935208

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/06/1998	जन्म तिथि	04/10/2002
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:10:00	जन्म समय	16:05:00 घंटे
घटी 46:53:24	जन्म समय(घटी)	24:49:38 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Jhansi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:38	सूर्योदय	06:09:08
19:06:48	सूर्यास्त	17:59:38
23:50:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:27

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 5वर्ष 0मा 14दि		21:45:39	कुंभ	लग्न	कुंभ	09:30:14	शुक्र 12वर्ष 6मा 29दि	
राहु		27:45:26	वृष	सूर्य	कन्या	17:08:24	चन्द्र	
26/06/2020		28:48:12	धनु	चंद्र	सिंह	18:16:43	04/05/2021	
27/06/2038		19:58:36	वृष	मंगल	सिंह	28:54:37	05/05/2031	
राहु	09/03/2023	00:50:44	मिथु	बुध व	कन्या	04:55:29	चन्द्र	05/03/2022
गुरु	02/08/2025	02:16:55	मीन	गुरु	कर्क	18:47:43	मंगल	04/10/2022
शनि	08/06/2028	22:18:07	मेष	शुक्र	तुला	20:57:58	राहु	04/04/2024
बुध	26/12/2030	06:30:26	मेष	शनि	मिथु	05:08:52	गुरु	04/08/2025
केतु	14/01/2032	10:13:45	सिंह व	राहु व	वृष	16:41:21	शनि	05/03/2027
शुक्र	13/01/2035	10:13:45	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	16:41:21	बुध	03/08/2028
सूर्य	08/12/2035	18:38:17	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:24:03	केतु	04/03/2029
चन्द्र	08/06/2037	07:56:12	मक व	नेप व	मक	14:22:31	शुक्र	03/11/2030
मंगल	27/06/2038	12:26:33	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:25:17	सूर्य	05/05/2031

लग्न-चलित

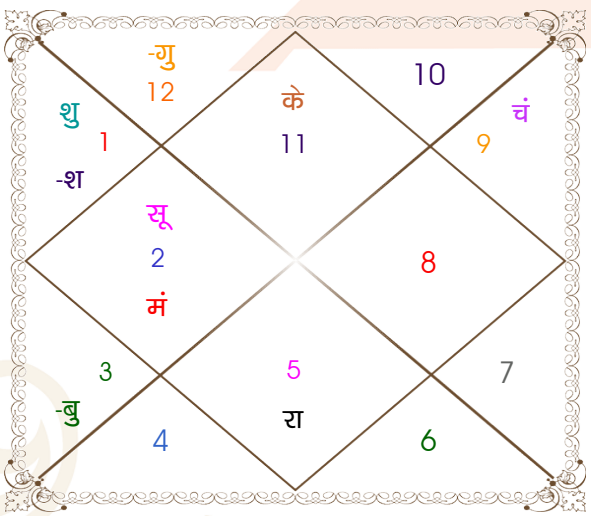

लग्न-चलित

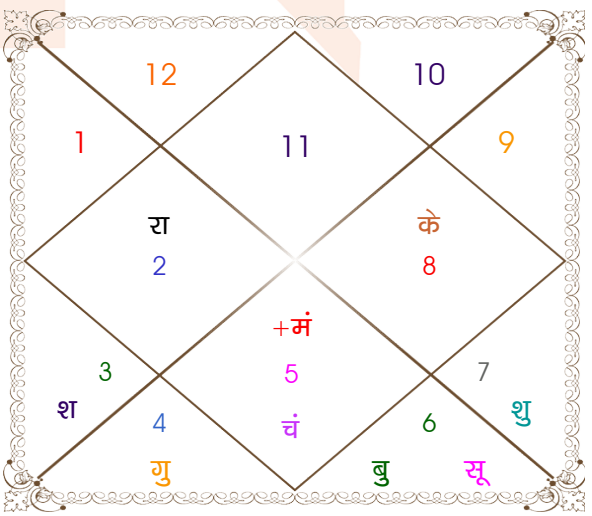

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।